

प्राचीन देश जिसके विषय में यह प्रसिद्ध है कि वहाँ मोती निकलते थे।

पारशवी स्त्री. (तत्.) वह कन्या या स्त्री जिसका जन्म शूद्रा माता और ब्राह्मण पिता से हुआ हो।

पारश्वधिक पुं. (तत्.) [परश्वध+इक] परशु या फरसे से सज्जित योद्धा।

पारस पुं. (तद्.) 1. कल्पित पत्थर जिसके विषय में यह प्रसिद्ध है कि इसके स्पर्श से लोहा भी सोना हो जाता है, स्पर्श मणि 2. पारस-पत्थर के समान उत्तम, लाभदायक, स्वच्छ, आदरणीय और बहुमूल्य पदार्थ या वस्तु 3. परसा हुआ अथवा परोसा हुआ भोजन, वह पत्तल अथवा थाली जिसमें एक आदमी के खाने भर का भोजन रखा गया हो, 4. परोसा अव्य. (तद्) समीप, नजदीक, पास पुं. (फा.) आधुनिक फारस देश का एक पुराना नाम।

पारसनाथ पुं. (तद्.) पार्श्वनाथ, एक जैन तीर्थंकर।

पारसल पुं. (अं.) डाक, रेल अथवा कूरियर आदि द्वारा किसी के नाम भेजी जाने वाली गठरी, पोटली अथवा पैकेट।

पारसा वि. (फा.) पवित्र एवं शुद्ध चरित्र तथा अच्छे विचारों वाला, अच्छे आचरण वाला, धर्मात्मा और सदाचारी।

पार-साल पुं. (फा.) बीता हुआ साल, गतवर्ष।

पारसी पुं. (सं. पारसीक से फा. पार्सी) 1. पारस अर्थात् फारस (आधुनिक ईरान) का रहने वाला व्यक्ति 2. फारस देश की अग्निपूजक जाति जो शताब्दियों पूर्व इस्लामी आक्रमणकारियों के कारण अपना धर्म बचाने के लिए भारत चले आए थे, इनके वंशज प्रमुख रूप से मुंबई और गुजरात में बसे हैं तथा ये एक प्रकार का यज्ञोपवीत पहने रहते हैं, स्त्री. फारसी भाषा, वि. फारस संबंधी, पारस का।

पारसीक पुं. (तत्.) 1. आधुनिक ईरान देश का प्राचीन नाम, फारस 2. आधुनिक ईरान का निवासी 3. पारसी घोड़ा।

पारसेक पुं. (अं.) गणि. खगोलीय दूरियाँ मापने की एक इकाई, एक पारसेक = 3.258 प्रकाश वर्ष अर्थात् 19,150,000,000,000 मील।

पारस्त्रैण्य पुं. (तत्.) पराई स्त्री से संबंध रखने वाले पुरुष से उत्पन्न पुत्र, जारज पुत्र।

पारस्परिक वि. (तत्.) आपस में एक दूसरे के प्रति, परस्पर होने वाला, आपसी। mutual

पारस्परिकता स्त्री. (तत्.) पारस्परिक होने की अवस्था या भाव।

पारस्परिक संकरण पुं. (तत्.) कृषि. दो पौधों या विभेदों के ऐसे दो आपसी संकरण जिनमें एक का पुं. जनक और दूसरे का स्त्री-जनक होता है, व्युत्क्रम संकरण, अन्योन्य संकरण।

पारा पुं. (तद्.) 1. एक प्रसिद्ध, बहुत चमकीला और सफेद धात्विक तत्व, पारद टि. यह धातु आनुपातिक दृष्टि से बहुत भारी होती है और प्रायः द्रव अवस्था में रहती है, मुहा. पारा उतरना- क्रोध शांत होना, पारा गरम होना अथवा पारा चढ़ना- बहुत क्रोधित होना; पारा चढ़ाना- क्रुद्ध करना 2. पुं. (तद्.) दीये के आकार का पर उससे बड़ा मिट्टी का बरतन, परई 3. पुं. (फा.) खंड या टुकड़ा जैसे- शकरपारा, नमकपारा।

पारापत पुं. (तत्.) कबूतर।

पारापार पुं. (तत्.) 1. नदी आदि के दोनों तट-यह पार और वह पार, इधर और उधर किनारा 2. समुद्र, पारावार।

पारायण पुं. (तत्.) 1. किसी ग्रंथ से अंत तक विधिपूर्वक किया जाने वाला पाठ 2. किसी अनुष्ठान या कार्य की होने वाली समाप्ति 3. किसी पाठ्य वस्तु का बार-बार पढ़ा जाना।

पारायणिक वि. (तत्.) पारायण करने वाला।

पारायणी स्त्री. (तत्.) चिंतन-मनन करते हुए पारायण करने की क्रिया 2. सरस्वती 3. कर्म 4. प्रकाश।

पारावत पुं. (तत्.) 1. कबूतर 2. बंदर 3. पर्वत 4. पेंडकी।